बरकत खाने के बीच में उतरती है। अतः, उसके दोनों किनारों से खाओ, बीच से न खाओ।

अब्दुल्लाह बिन अब्बास (रज़ियल्लाहु अन्हमा) कहते हैं कि नबी (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने फरमायाः "बरकत खाने के बीच में उतरती है। अतः, उसके दोनों किनारों से खाओ, बीच से न खाओ।"
[सह़ीह़] [इसे इब्ने माजा ने रिवायत किया है । - इसे तिर्मिज़ी ने रिवायत किया है। - इसे अबू दाऊद ने रिवायत किया है। - इसे अह़मद ने रिवायत किया है। - इसे दारिमी ने रिवायत किया है।]

http://www.sunnah.global/hadeeth/hi/show/58121